KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

बेरोजगारी

कार्य करने की इच्छा
+
योग्यता
+
बाजार मूल्य पर कार्य करने के लिए तैयार

→ कार्य न मिल पाए (बेरोजगार) → स्थिति → बेरोजगारी

Unemployment

- Unemployment occurs when a person who is actively searching for employment is unable to find work.
- Unemployment is often used as a measure of the health of the economy.

बेरोजगारी

- बेरोजगारी तब होती है जब सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश करने वाले व्यक्ति को काम नहीं मिल पाता है।
- बेरोजगारी को अक्सर अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के माप के रूप में उपयोग किया जाता है।

Unemployment	बेरोजगारी
• The unemployment rate is calculated by :	• बेरोजगारी दर की गणना निम्न द्वारा की जाती है:
Unemployment rate = (Number of unemployed individuals /sums of employed and unemployed individuals) x 100	बेरोजगारी दर = (बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या / नियोजित और बेरोजगार व्यक्तियों का योग) x 100
• The National Sample Survey Organization (NSSO) measures the unemployment rate in India.	• राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) भारत में बेरोजगारी दर को मापता है।

2019
CSO + NSSO } विलय → NSO
NSO/

$$\text{बेरोजगारी दर} = \frac{\text{देश में बेरोजगारों की संख्या}}{\text{देश मे रोजगार और बेरोजगारों की कुल संख्या}} \times 100$$

या

देश मे कुल कार्यबल (15 - 59 वर्ष तक)

Types of Unemployment

बेरोजगारी के प्रकार

Seasonal Unemployment:

- It is an unemployment that occurs during certain seasons of the year. Agricultural labourers in India rarely have work throughout the year.

ग्रामीण क्षेत्रों में
(Ex. कृषि एवं असंठित क्षेत्रों में)

मौसमी बेरोजगारी:

- यह एक बेरोजगारी है जो वर्ष के कुछ निश्चित मौसमों के दौरान होती है। भारत में खेतिहर मजदूरों के पास साल भर शायद ही कभी काम होता है।

Cyclical Unemployment:

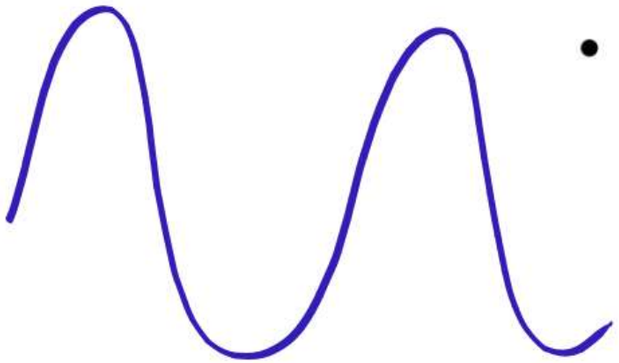

- It is a result of the business cycle, where unemployment rises during recessions and declines with economic growth.

चक्रीय बेरोजगारी:

- यह व्यापार चक्र का परिणाम है, जहां मंदी के दौरान बेरोजगारी बढ़ती है और आर्थिक विकास के साथ गिरावट आती है।

Types of Unemployment

बेरोजगारी के प्रकार

Educated unemployment :

- It refers to the phenomenon where individuals who have attained formal education, including degrees like matriculation, graduation, or post-graduation, are unable to find suitable employment that matches their educational qualifications.

(शहरों में)

शिक्षित बेरोजगारी:

- यह उस घटना को संदर्भित करता है जहां मैट्रिक, स्नातक या स्नातकोत्तर जैसी डिग्री सहित औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को उनकी शैक्षिक योग्यता से मेल खाने वाला उपयुक्त रोजगार नहीं मिल पाता है।

Types of Unemployment

Disguised Unemployment:

- It is an economic term that describes a situation where a portion of the labor force is either unemployed or working in positions that contribute very little to overall productivity. It can also be referred to as hidden unemployment.

Ex : Agriculture

बेरोजगारी के प्रकार

प्रच्छन्न बेरोजगारी:

- यह एक आर्थिक शब्द है जो ऐसी स्थिति का वर्णन करता है जहां श्रम बल का एक हिस्सा या तो बेरोजगार है या ऐसे पदों पर काम कर रहा है जो समग्र उत्पादकता में बहुत कम योगदान देते हैं। इसे छिपी हुई बेरोजगारी भी कहा जा सकता है।
- उदाहरणार्थ: कृषि

प्रच्छन्न / छिपी हुई /
अल्परोजगार = कृषि

Types of Unemployment

Structural Unemployment:

- Structural unemployment is long-lasting unemployment that comes about due to shifts in an economy. This type of unemployment happens because though jobs are available, there's a mismatch between what companies need and what available workers offer.

कौशल की कमी के कारण।

Ex - Computer, Typing

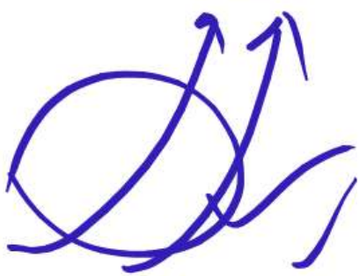

बेरोजगारी के प्रकार

संरचनात्मक बेरोजगारी:

- संरचनात्मक बेरोजगारी लंबे समय तक चलने वाली बेरोजगारी है जो अर्थव्यवस्था में बदलाव के कारण आती है। इस प्रकार की बेरोज़गारी इसलिए होती है क्योंकि हालाँकि नौकरियाँ उपलब्ध हैं, लेकिन कंपनियों को क्या चाहिए और उपलब्ध कर्मचारी क्या पेशकश करते हैं, इसके बीच एक बेमेल है।

Types of Unemployment

Chronic Unemployment :

- It means prolonged unemployment in the economy. In other words, chronic unemployment is caused due to the long-term unemployment persisting in the economy.

Voluntary Unemployment :

- It is a situation when a person is unemployed not due to unavailability of jobs in the economy, but because of not being able to find employment of his/her own choice.

बेरोजगारी के प्रकार

दीर्घकालिक बेरोजगारी :

- इसका अर्थ है अर्थव्यवस्था में लम्बे समय तक बेरोजगारी बने रहना। दूसरे शब्दों में, दीर्घकालिक बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में लंबे समय तक बनी रहने वाली बेरोजगारी के कारण होती है।

स्वैच्छिक बेरोजगारी :

- यह एक ऐसी स्थिति है जब कोई व्यक्ति अर्थव्यवस्था में नौकरियों की अनुपलब्धता के कारण बेरोजगार नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का रोजगार नहीं ढूंढ पाने के कारण बेरोजगार है।

Types of Unemployment

बेरोजगारी के प्रकार

Frictional Unemployment:

- The Frictional Unemployment also called as **Search Unemployment**, refers to the time lag between the jobs when an individual is searching for a new job or is switching between the jobs.

प्रतिरोधात्मक रोजगार:

- घर्षणात्मक बेरोजगारी को खोज बेरोजगारी भी कहा जाता है, यह नौकरियों के बीच के समय अंतराल को संदर्भित करता है जब कोई व्यक्ति नई नौकरी की तलाश कर रहा होता है या नौकरियों के बीच स्विच कर रहा होता है।

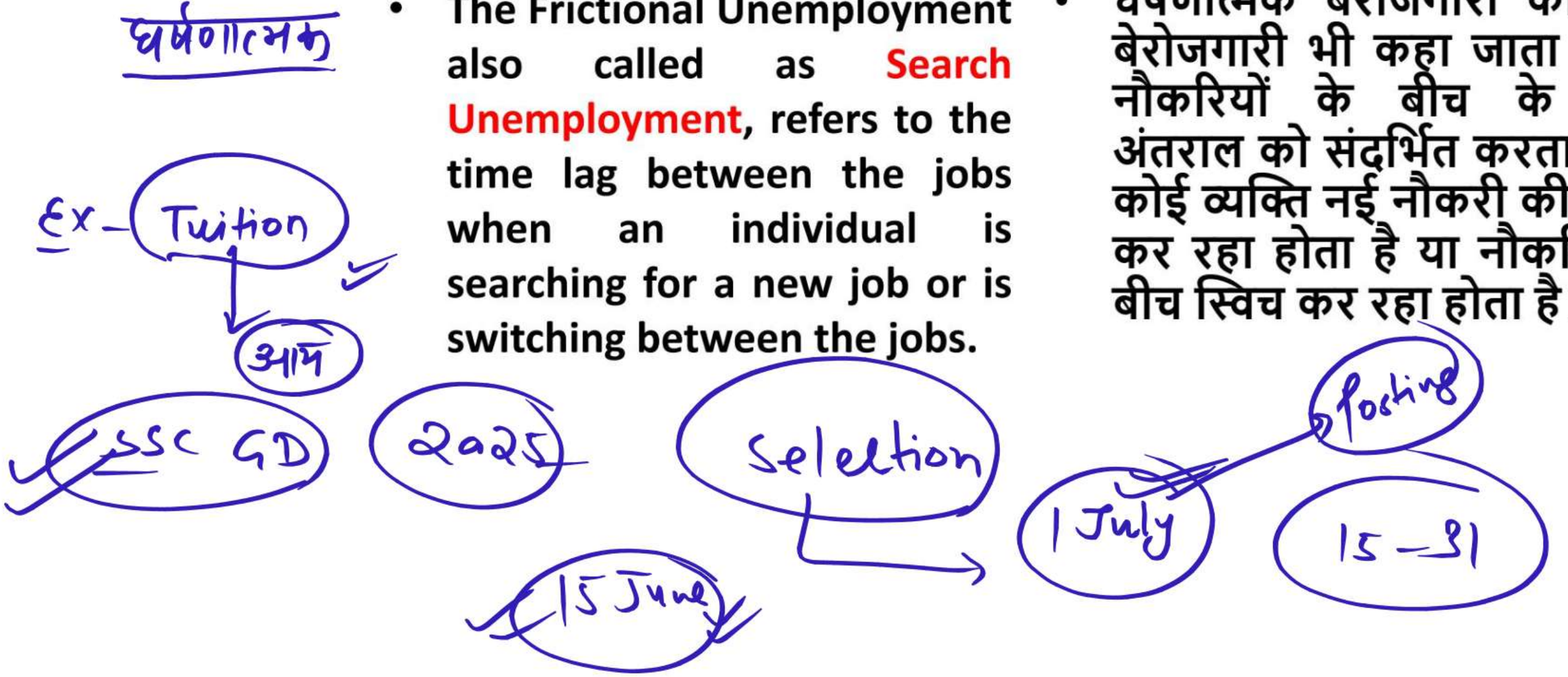

Money Supply धन आपूर्ति

Economics

SSC GD

PYQs

≈ 50-55

→ एक निश्चित समय में किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कुल प्रवाह धन आपूर्ति कहते हैं।

→ इसे RBI मापता है।

→ RBI ने 1977 में M1, M2, M3, M4 धन आपूर्ति के मापन को बनाया है।

M1 = जनता के पास पैसा + बैंको की माँग जमा (बचत एवं चालू खाता) + RBI के पास जमा

M2 = M1 + डाकघर मे बचत जमा

M3 = M1 + बैंको की सावधि जमा (Time Deposit) [FD व RD]

M4 = M3 + डाकघर की कुल जमा

Narrow Money
(संकीर्ण मुद्रा) = M1 व M2

Broad Money = M3 व M4
(वृहत मुद्रा)

तरलता (Liquidity) का क्रम

M1 > M2 > M3 > M4.

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING